भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. **913** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 26 जुलाई, 2024/4 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाना है

बिहार में पत्तनों का निर्माण

† 913. श्री राजेश रंजन :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गंगा नदी में बक्सर, पटना, मोकामा, मुंगेर, भागलपुर और साहेबगंज के रास्ते वाराणसी से हल्दिया तक कंटेनर पोत चलाने/ संचालित करने की घोषणा की थी;
(ख) यदि हां, तो क्या ये कंटेनर पोत उचित रूप से कार्य कर रहे हैं;
(ग) क्या सरकार के अनुदेशों के अनुसार जहाजों के डॉकिंग के लिए बक्सर, पटना, मोकामा, मुंगेर, भागलपुर और साहेबगंज में पत्तनों का विकास/ निर्माण किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या सरकार का विचार उक्त जलमार्गों पर यात्री पोत चलाने/ संचालित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): कार्गो की उपलब्धता के आधार पर, गंगा नदी (राष्ट्रीय जलमार्ग-1) के रास्ते वाराणसी से हल्दिया तक कंटेनर कार्गो की आवाजाही सफलतापूर्वक की जा रही है।

(ग): राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (रा.ज.-1) पर जलमार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी) के अंतर्गत, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा, कार्गो कंटेनर को हैंडल करने के लिए आवश्यक अवसंरचना एवं सुविधाओं का विकास किया गया है। आईडब्ल्यूटी जलयानों के कंटेनर हैंडलिंग और बर्थिंग की सुविधा तीन मल्टी मॉडल (बहुउद्देशीय) टर्मिनलों- वाराणसी, साहिबगंज एवं हल्दिया तथा इंटर मॉडल टर्मिनलों अर्थात् कालूघाट (बिहार), गायघाट (बिहार) और जीआर जेट्टी (पश्चिम बंगाल) पर उपलब्ध है।

इसके अलावा, अनेक फ्लोटिंग जेट्टियां जहां जलयानों को बर्थ किया जा सकता है, का भी विकास वाराणसी और हल्दिया के बीच किया गया है।

(घ): यात्री जलयानों को चलाने/ संचालित करने का अधिदेश संबंधित राज्य सरकारों के पास है। तथापि, आईडब्ल्यूएआई, रा.ज.-1 के साथ आईडब्ल्यूटी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है तथा रा.ज.-1 के साथ यात्री फेरी (रो-रो/ रो-पैक्स, क्रूज एवं कार्गो जलयान) के प्रचालनों को बढ़ावा देने के लिए सुविधाएं प्रदान कर रहा है। क्रॉस फेरी आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए, आईडब्ल्यूएआई द्वारा 60 सामुदायिक जेट्टियों के विकास के लिए जेएमवीपी-।। के तहत कार्य किया जा रहा है, इसमें से 49 सामुदायिक जेट्टियां पहले से ही स्थापित की जा चुकी है।

इसके अलावा, यात्री परिवहन को बढ़ावा देने के लिए, आईडब्ल्यूएआई ने दो हाइब्रिड इलेक्ट्रिक कैटामैरान जलयानों (एमवी गुह एवं एमवी निशादराज) की खरीद की है और उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार को सौंप दिया गया है। भारत के प्रथम हाइड्रोजन ईंधनयुक्त जलयान को भी प्रदर्शन के लिए वाराणसी में तैनात किया गया है।

*****